BOOK CHAPTERS PUBLISHED BY THE FACULTY MEMBERS

YEAR : 2018-19

Digitally signed by DR. POOJA TIWARI
DN: OU=IQAC CO-ORDINATOR, O=" GOVERNMENT COLLEGE, BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. POOJA TIWARI, E= bichhuagovtcollege@gmail.com
Date: 2024.07.31 01:29:15+05'30'

Digitally signed by DR. R. P. YADAV
DN: OU=PRINCIPAL, O="GOVERNMENT COLLEGE BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. R. P. YADAV, E= hegcbicchh@mp.gov.on
Date: 2024.07.31 01:29:36+05'30'

वर्तमान संदर्भ में भारतीय नारी

डॉ. अखिलेश शुक्ल
भारत सरकार गृह मंत्रालय द्वारा प्रतिष्ठित
''पं. गोविन्द वल्लभ पन्त एवार्ड'' तथा सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा
'भारतेन्दु हरिश्चन्द एवार्ड' से सम्मानित
समाजशास्त्र एवं समाजकार्य विभाग
शासकीय ठाकुर रणमत सिंह स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
(उत्कृष्टता केन्द्र) रीवा (म.प्र.)

डॉ. संध्या शुक्ला
प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष
राजनीति विज्ञान विभाग
शासकीय ठाकुर रणमत सिंह स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रीवा

डॉ. संगीता सिंह
सरदार वल्लभ भाई पटेल संस्थान
रीवा (म.प्र.)

सेन्टर फॉर रिसर्च स्टडीज
रीवा (म.प्र.)
www.researchjournal.in

Digitally signed by DR. POOJA TIWARI
DN: OU=IQAC CO-ORDINATOR, O="GOVERNMENT COLLEGE, BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. POOJA TIWARI, E=bichhuagovtcollege@gmail.com
Date: 2024.07.31 01:29:15+05'30'

Digitally signed by DR. R. P. YADAV
DN: OU=PRINCIPAL, O="GOVERNMENT COLLEGE BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. R. P. YADAV, E=hegcbicchh@mp.gov.on
Date: 2024.07.31 01:29:36+05'30'

अनुक्रमणिका

1. वर्तमान संदर्भ में भारतीय नारी (मध्यप्रदेश की महिला विकास नीति–2015) — 09
डॉ. अखिलेश शुक्ल

2. वर्तमान संदर्भ में भारतीय महिलायें — 19
डॉ. सीमा श्रीवास्तव

3. समाज में महिलाओं की स्थिति: एक समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण — 27
डॉ. के.के. शर्मा, निशा सिंह, डॉ. प्रीति शर्मा

4. भारतीय समाज में महिलाओं की स्थिति एवं परिवर्तन — 34
डॉ. मधुलिका श्रीवास्तव

5. स्वातंत्र्योत्तर भारत में नारी की स्थिति — 41
डॉ. सरोज बाला श्याग विश्नोई

6. वर्तमान संदर्भ में भारतीय नारी — 47
डॉ. पूजा तिवारी

7. भारत में महिलाओं की वर्तमान स्थिति की सामाजिक विवेचना — 50
डॉ. गुंजन सिंह, डॉ. रेखा सेन

8. भारतीय सन्दर्भ में नारी सशक्तीकरण — 54
डॉ. अलका नायक

9. भारत में ग्रामीण महिला सशक्तिकरण — 59
सुरेन्द्र प्रताप सिंह खरे

Digitally signed by DR. POOJA TIWARI
DN: OU=IQAC CO-ORDINATOR, O=" GOVERNMENT COLLEGE, BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. POOJA TIWARI, E=bichhuagovtcollege@gmail.com
Date: 2024.07.31 01:29:15+05'30'

Digitally signed by DR. R. P. YADAV
DN: OU=PRINCIPAL, O="GOVERNMENT COLLEGE BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. R. P. YADAV, E=hegcbicchh@mp.gov.on
Date: 2024.07.31 01:29:36+05'30'

वर्तमान संदर्भ में भारतीय नारी

• डॉ. पूजा तिवारी

नारी पुरुष की पूरक सत्ता है। वह मनुष्य की सबसे बड़ी ताकत है। उसके
बिना पुरुष का जीवन अपूर्ण है। नारी उसे पूर्ण करती है। मनुष्य का जीवन
अन्धकारयुक्त होता है तो स्त्री उसमें रोशनी पैदा करती है। पुरुष का जीवन नीरस
होता है तो नारी उसे सरस बनाती है। पुरुष के उजड़े हुए उपवन को नारी पल्लवित
बनाती है। इसलिए शायद संसार का प्रथम मानव भी जोड़े के रूप में ही धरती
पर अवतरित हुआ था। पुरुष और नारी एक ही सत्ता के दो रूप हैं और परस्पर
पूरक हैं। फिर भी कर्त्तव्य, उत्तरदायित्व और त्याग के कारण नारी कहीं महान है
पुरुष से। वह जीवन यात्रा में पुरुष के साथ नहीं चलती वरन् उसे समय पड़ने पर
शक्ति और प्रेरणा भी देती है। उसकी जीवन यात्रा को सरस, सुखद, स्निग्ध और
आनन्दपूर्ण बनाती है नारी, पुरुष की शक्तियों के लिए उर्वरक खाद का काम देती
है। महादेवी वर्मा ने नारी की महानता के बारे में लिखा है 'नारी केवल माँस पिण्ड
की संज्ञा नहीं है, आदिम काल से आज तक विकास पथ पर पुरुष का साथ देकर
उसकी यात्रा को सफल बनाकर, उसके अभिशापों को स्वयं झेलकर और अपने
वरदानों से जीवन में अक्षय शक्ति भर कर मानवी ने जिस व्यक्तित्व, चेतना और
हृदय का विकास किया है उसी का पर्याय नारी है।' इसमें कोई सन्देह नहीं कि नारी
धरा पर स्वर्ग की ज्योति की साकार प्रतिमा है। उसकी वाणी जीवन के लिए अमृत
स्रोत है। उसके नेत्रों में करुणा, सरलता और आनन्द के दर्शन होते हैं। उसके हास्य
में संसार की समस्त निराशा और कड़ुवाहट मिटाने की अपूर्व क्षमता है। नारी
सन्तप्त हृदय के लिए शीतल छाया है। वह स्नेह और सौजन्य की साकार देवी है।
आचार्य चतुरसेन शास्त्री के शब्दों में 'नारी पुरुष की शक्ति के लिए जीवन सुधा
है। त्याग उसका स्वभाव है, प्रदान उसका धर्म, सहनशीलता उसका व्रत और प्रेम
उसका जीवन है।' नारी अपने विभिन्न रूपों में सदैव मानव जाति के लिए त्याग,
बलिदान, स्नेह, श्रद्धा, धैर्य, सहिष्णुता का जीवन बिताती है। माता-पिता के लिए
आत्मीयता, सेवा की भावना जितनी पुत्री में होती है उतनी पुत्र में नहीं होती। पराये

• विभागाध्यक्ष, समाजशास्त्र विभाग, एसोसिएट प्रोफेसर, शासकीय महाविद्यालय, बिछुआ, जिला छिंदवाड़ा (म.प्र.)

Chapter Writer – Dr. Pooja Tiwari

Digitally signed by DR. POOJA TIWARI
DN: OU=IQAC CO-ORDINATOR, O=" GOVERNMENT COLLEGE, BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. POOJA TIWARI, E=bichhuagovtcollege@gmail.com
Date: 2024.07.31 01:29:15+05'30'

Digitally signed by DR. R. P. YADAV
DN: OU=PRINCIPAL, O="GOVERNMENT COLLEGE BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. R. P. YADAV, E=hegcbicchh@mp.gov.on
Date: 2024.07.31 01:29:36+05'30'

महिला सशक्तिकरण के विविध आयाम

डॉ. अखिलेश शुक्ल
भारत सरकार गृह मंत्रालय द्वारा प्रतिष्ठित
''पं. गोविन्द वल्लभ पन्त एवार्ड'' तथा सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा
'भारतेन्दु हरिश्चन्द्र एवार्ड' से सम्मानित
समाजशास्त्र एवं समाजकार्य विभाग
शासकीय ठाकुर रणमत सिंह स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
(उत्कृष्टता केन्द्र) रीवा (म.प्र.)

सेन्टर फॉर रिसर्च स्टडीज
रीवा (म.प्र.)
www.researchjournal.in

Digitally signed by DR. POOJA TIWARI
DN: OU=IQAC CO-ORDINATOR, O=" GOVERNMENT COLLEGE, BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. POOJA TIWARI, E=bichhuagovtcollege@gmail.com
Date: 2024.07.31 01:29:15+05'30'

Digitally signed by DR. R. P. YADAV
DN: OU=PRINCIPAL, O="GOVERNMENT COLLEGE BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. R. P. YADAV, E=hegcbicchh@mp.gov.on
Date: 2024.07.31 01:29:36+05'30'

Office of the Principal, Government College Bichhua
Chhindwara (M.P.) 480111

Mobile: +91 9425425968, Email- hegcbicchh@mp.gov.in
https://www.govtcollegebichhua.org, https://www.highereducation.mp.gov.in/?orgid=109
Established on 21/09/1989, Recognized under 2 (f) & 12 (B) of the UGC Act, 1956
Affiliated to Raja Shankar Shah University, Chhindwara (M.P.) 480001

27. महिला सशक्तिकरण एवं ग्रामीण महिलाएँ 175
डॉ. (श्रीमती) पूजा तिवारी

28. महिला लेखन : स्त्री अस्मिता का साहित्य 178
डॉ. अंबा शुक्ला

29. महिला सशक्तिकरण का अर्थ व उद्देश्य 184
डॉ. श्रीमती जे. श्याम

Digitally signed by DR. POOJA TIWARI
DN: OU=IQAC CO-ORDINATOR, O=" GOVERNMENT COLLEGE, BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. POOJA TIWARI, E=bichhuagovtcollege@gmail.com
Date: 2024.07.31 01:29:15+05'30'

Digitally signed by DR. R. P. YADAV
DN: OU=PRINCIPAL, O="GOVERNMENT COLLEGE BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. R. P. YADAV, E=hegcbicchh@mp.gov.on
Date: 2024.07.31 01:29:36+05'30'

महिला सशक्तिकरण एवं ग्रामीण महिलाएँ

• डॉ. (श्रीमती) पूजा तिवारी

किसी भी समाज की सम्पन्नता का अनुमान इस बात से बेहतर तरीके से लगाया जा सकता है कि उस समाज में नारी की स्थिति कैसी है ,अर्थात जिस समाज में नारी की स्थिति जितनी सुदृढ़ होगी ,वह समाज उतना ही उन्नत होगा।

विश्व की कुल जनसंख्या में आधी जनसंख्या महिलाओं की है वे कार्यकारी घंटों में दो तिहाई का योगदान करती है किन्तु विश्व आय का केवल दसवाँ हिस्सा वे प्राप्त कर पाती है और उन्हें विश्व संपत्ति में सौवें से भी कम हिस्सा प्राप्त होता है। एक अरब से ज्यादा आबादी वाले इस देश में महज 4.7 करोड़ महिलाएं ही कामकाजी हैं। अगर हम इस संख्या को बढ़ा सके और वर्क फोर्स में स्त्री पुरुष के बीच एक संतुलन ला सकें तो देश की अर्थव्यवस्था में 27 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है। इस समय देश में लगभग 23.5 करोड़ महिलाएं ऐसी है जो बेहतर शिक्षा और प्रोफेशनल ट्रेनिंग के बावजूद वर्क फोर्स से बाहर है। डेलॉयट की 2018 ग्लोबल इंपैक्ट रिपोर्ट के अनुसार सन् 2005 में भारत के वर्क फोर्स में महिलाओं की भागीदारी 35 प्रतिशत थी जो सन् 2018 में घट कर महज 26 प्रतिशत रह गई है। राष्ट्र के आर्थिक विकास हेतु महिलाओं को वर्क फोर्स का हिस्सा बनाना जरूरी है। यद्यपि रोजगार में महिलाओं की संख्या में वृद्धि हो रही है लेकिन उन्हें कम वेतन मिल रहा है तथा उनके कार्य की परिस्थितियाँ असंतोषजनक है।

ग्रामीण क्षेत्रों में महिला सशक्तिकरण के प्रमुख चार आयाम हो सकते है।

1. महिलाएं एवं उनकी कार्य सहभागिता
2. महिलाएं एवं शिक्षा
3. महिलाएं एवं उनका स्वास्थ्य
4. महिलाएं एवं उनकी राजनैतिक सहभागिता

उद्देश्य–

1. ग्रामीण महिलाओं के सशक्तिकरण की स्थिति की जानकारी।
2. ग्रामीण महिलाओं की सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक स्थिति की जानकारी।

• सह-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, समाजशास्त्र विभाग, शासकीय महाविद्यालय बिछुआ, जिला छिन्दवाड़ा

Digitally signed by DR. POOJA TIWARI
DN: OU=IQAC CO-ORDINATOR, O=" GOVERNMENT COLLEGE, BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. POOJA TIWARI, E=bichhuagovtcollege@gmail.com
Date: 2024.07.31 01:29:15+05'30'

Digitally signed by DR. R. P. YADAV
DN: OU=PRINCIPAL, O="GOVERNMENT COLLEGE BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. R. P. YADAV, E=hegcbicchh@mp.gov.on
Date: 2024.07.31 01:29:36+05'30'

Office of the Principal, Government College Bichhua
Chhindwara (M.P.) 480111

Mobile: +91 9425425968, Email- hegcbicchh@mp.gov.in
https://www.govtcollegebichhua.org, https://www.highereducation.mp.gov.in/?orgid=109

Established on 21/09/1989, Recognized under 2 (f) & 12 (B) of the UGC Act, 1956
Affiliated to Raja Shankar Shah University, Chhindwara (M.P.) 480001

पर्यावरण एवं समाज

डॉ. एस. अखिलेश
भारत सरकार गृह मंत्रालय द्वारा छः बार प्रतिष्ठित
''पं. गोविन्द वल्लभ पन्त एवार्ड'' तथा
'भारतेन्दु हरिश्चन्द्र एवार्ड' से सम्मानित
समाजशास्त्र एवं समाजकार्य विभाग
शासकीय ठाकुर रणमत सिंह स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रीवा (म.प्र.)

डॉ. संध्या शुक्ला
प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष
राजनीति विज्ञान विभाग
शासकीय ठाकुर रणमत सिंह स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रीवा

डॉ. संगीता सिंह
सरदार वल्लभ भाई पटेल संस्थान
रीवा (म.प्र.)

सेन्टर फॉर रिसर्च स्टडीज
रीवा (म.प्र.)
www.researchjournal.in

Digitally signed by DR. POOJA TIWARI
DN: OU=IQAC CO-ORDINATOR, O="GOVERNMENT COLLEGE, BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. POOJA TIWARI, E=bichhuagovtcollege@gmail.com
Date: 2024.07.31 01:29:15+05'30'

Digitally signed by DR. R. P. YADAV
DN: OU=PRINCIPAL, O="GOVERNMENT COLLEGE BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. R. P. YADAV, E=hegcbicchh@mp.gov.on
Date: 2024.07.31 01:29:36+05'30'

ISBN-978-81-87364-74-0

रिसर्च जरनल ऑफ सोशल एण्ड लाइफ साइन्सेस
ISSN 0973-3914, UGC Sl.No. 1962, Journal No. 40942,
Impact Factor 3.112
का वार्षिक विशेषांक

© सेन्टर फॉर रिसर्च स्टडीज, रीवा

प्रथम संस्करण : 2018
₹ 1000.00

प्रकाशक
गायत्री पब्लिकेशन्स
विन्ध्य विहार कालोनी
लिटिल वैम्बिनोज स्कूल कैम्पस
पड़रा, रीवा (म.प्र.) – 486001
फोन : 7974781746

www.researchjournal.in

लेजर कम्पोजिंग–
अरविन्द कम्प्यूटर्स, रीवा (म०प्र०)

मुद्रक–
एकडमी प्रेस, इलाहाबाद (उ.प्र.)

इस पुस्तक को यथा संभव अद्यतन प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है। फिर भी यदि इसमें कोई क
त्रुटि रह गई हो तो उससे कारित क्षति अथवा संताप के लिए सम्पादक, लेखक, प्रकाशक एवं मुद्रक
दायित्व नहीं होगा। विद्वत पाठक गण के सुझाव सादर आमंत्रित हैं।

Digitally signed by DR. POOJA TIWARI
DN: OU=IQAC CO-ORDINATOR, O="GOVERNMENT COLLEGE, BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. POOJA TIWARI, E=bichhuagovtcollege@gmail.com
Date: 2024.07.31 01:29:15+05'30'

Digitally signed by DR. R. P. YADAV
DN: OU=PRINCIPAL, O="GOVERNMENT COLLEGE BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. R. P. YADAV, E=hegcbicchh@mp.gov.on
Date: 2024.07.31 01:29:36+05'30'

अनुक्रमणिका

1.	भारतीय संस्कृति में पर्यावरण चिंतन **डॉ. अखिलेश शुक्ल**	09
2.	पर्यावरण और समाज : एक देशज अनुभव **डॉ. हरिगोविन्द राम त्रिपाठी**	20
3.	पारिस्थितिकी एवं मानव भविष्य **नन्दलाल मिश्रा** **मृत्युंजय मिश्रा**	30
4.	भारतीय संस्कृति में पर्यावरण सचेतनता **डॉ (श्रीमती) काकोली गोराई**	44
5.	उपनिवेशवाद तथा पर्यावरण **डॉ० संतोष कुमार**	53
6.	पर्यावरण की दिशा मे एक पहल **श्रीमती मंजरी अवस्थी**	61
7.	पर्यावरण और पारितंत्र **डॉ. संगीता सिंह**	66
8.	पर्यावरण प्रदूषण– प्रकार, नियंत्रण एवं उपाय **डॉ. रेखा सेन** **डॉ. सन्ध्या शुक्ला**	73
9.	पर्यावरण प्रदूषण: समस्याएँ तथा संरक्षण **डॉ. मनोज कुमार सिन्हा**	81
10.	पर्यावरण प्रदूषण एवं सामाजिक समस्यायें **डॉ. सीमा श्रीवास्तव**	91
11.	पर्यावरण–प्रदूषण की विभीषिका **कोमल पाण्डेय** **डॉ. रानू तिवारी**	99
12.	पर्यावरण–प्रदूषण के कारण एवं निवारण **डॉ. पूजा तिवारी**	104

Digitally signed by DR. POOJA TIWARI
DN: OU=IQAC CO-ORDINATOR, O=" GOVERNMENT COLLEGE, BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. POOJA TIWARI, E=bichhuagovtcollege@gmail.com
Date: 2024.07.31 01:29:15+05'30'

Digitally signed by DR. R. P. YADAV
DN: OU=PRINCIPAL, O="GOVERNMENT COLLEGE BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. R. P. YADAV, E=hegcbicchh@mp.gov.on
Date: 2024.07.31 01:29:36+05'30'

पर्यावरण–प्रदूषण के कारण एवं निवारण

★ डॉ. पूजा तिवारी

पर्यावरण हमारे चारों ओर का वातावरण है जिसमें मानव तथा अन्य जीवधारी रहते हैं। मनुष्य के उत्तम स्वास्थ्य के लिए वातावरण का शुद्ध एवं साफ होना परम आवश्यक होता है। मनुष्य ने ही प्रकृति का संतुलन को बिगाड़ दिया है, जिससे अस्वस्थ्य कारी परिस्थितियाँ जन्म ले रही है। आज सारा विश्व प्रदूषण से आक्रान्त है, पर्यावरण एवं मानव जीवन का बड़ा ही गहरा संबंध रहा है। वास्तव में दैनिक रहन–सहन एवं श्वास–प्रश्वास की प्रकिया के फलस्वरूप दोनों एक दूसरे से हर पल, हर क्षण जुड़े रहते हैं। मानव आदि काल में प्रकृति के अनुसार जैविक कियाएँ करता रहता था और उसका प्राकृतिक संतुलन बना रहता था किन्तु सभ्यता के विकास ने मानव को बिलासी बना दिया। विकास के नाम पर मानव को दानव प्रकृति ने प्राकृतिक संपदा को रौंद डाला है।

पर्यावरण प्रदूषण की गंभीर समस्या पर दुनिया का ध्यान पहली बार तब केन्द्रित हुआ जब स्वीडन की राजधानी स्टाकहोम में 5 से 10 जून 1972 को प्रथम संयुक्त राष्ट्र सार्वभौम पर्यावरण सम्मेलन का आयोजन हुआ एवं संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम की विधिवत घोषणा हुई तथा 5 जून को प्रतिवर्ष "पर्यावरण दिवस" के रूप में मनाए जाने का निर्णय हुआ।

विश्व का ध्यान अधिक से अधिक ओजोन परत के घटते जाने, तेजाबी वर्षा, जल, वायु, भूमि संबंधी परिवर्तन जैसे विषयों की ओर उत्तरोत्तर केन्द्रित हो रहा है। किसी भी राष्ट्र की संपत्ति वहाँ की भूमि, जल एवं वन पर ही आधारित होती है, इस दृष्टि में हिमालय का विशेष महत्व है, यहाँ के घने जंगलो में अनेक प्रजातियों के जीव जंतु और वनस्पतियाँ

• विभागाध्यक्ष एवं सह प्राध्यापक समाजशास्त्र, शासकीय महाविद्यालय, बिछुआ, जिला छिंदवाड़ा (म.प्र.)

By – Dr. Pooja Tiwari

Digitally signed by DR. POOJA TIWARI
DN: OU=IQAC CO-ORDINATOR, O=" GOVERNMENT COLLEGE, BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. POOJA TIWARI, E=bichhuagovtcollege@gmail.com
Date: 2024.07.31 01:29:15+05'30'

Digitally signed by DR. R. P. YADAV
DN: OU=PRINCIPAL, O="GOVERNMENT COLLEGE BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. R. P. YADAV, E=hegcbicchh@mp.gov.on
Date: 2024.07.31 01:29:36+05'30'

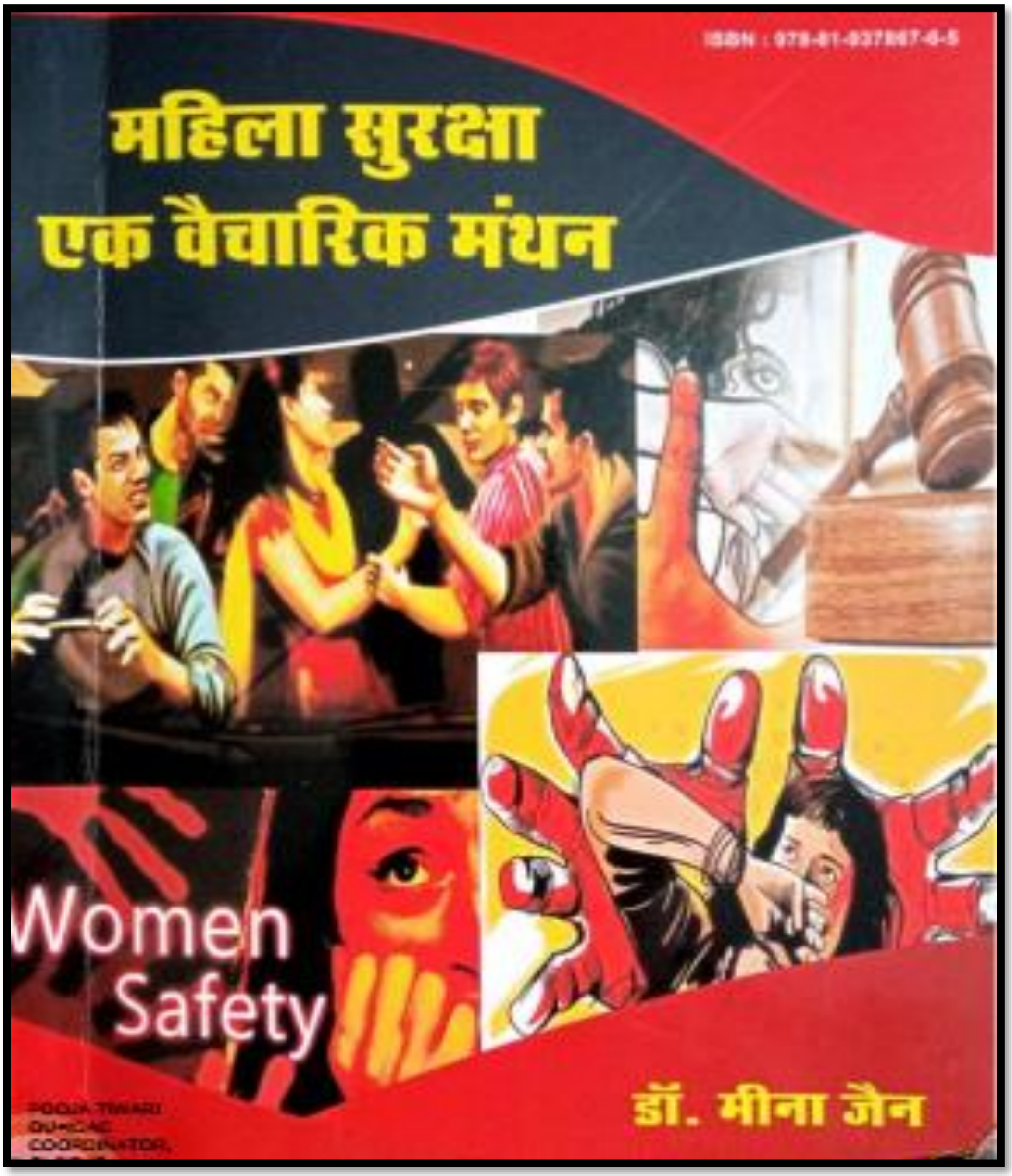

Digitally signed by DR. POOJA TIWARI
DN: OU=IQAC CO-ORDINATOR, O=" GOVERNMENT COLLEGE, BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. POOJA TIWARI, E= bichhuagovtcollege@gmail.com
Date: 2024.07.31 01:29:15+05'30'

Digitally signed by DR. R. P. YADAV
DN: OU=PRINCIPAL, O="GOVERNMENT COLLEGE BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. R. P. YADAV, E= hegcbicchh@mp.gov.on
Date: 2024.07.31 01:29:36+05'30'

28	कामकाजी महिला: सुरक्षा सम्बंधी प्रावधान	श्रीमती नीलम [illegible]	
29	महिला अधिकार संरक्षण संबंधी डॉ. अम्बेडकर के विचार	डॉ. सुनील कुमार [illegible] कु. शिल्पी शर्मा	79–80
30	नारी दशा एवं सामाजिक चिंतन	डॉ. [illegible]	81–85
31	महिला सुरक्षा, अभिभावकों की सोच एवं दायित्व	[illegible]	86–88
32	महिला अधिकार संरक्षण संबंधी डॉ. अम्बेडकर के विचार	डॉ. श्रीमती मृदुला शर्मा [illegible]	89–91
33	[illegible] में महिलाओं की बदलती भूमिका	डॉ. एस. के. [illegible]	92–95
34	महिला सुरक्षा – बेटी बचाओ – बेटी पढ़ाओ योजना	डॉ. [illegible]	96–97
35	स्त्री अधिकार और अम्बेडकर का योगदान	[illegible]	98–99
36	महिला सुरक्षा–संवैधानिक प्रावधान	[illegible] कुमार [illegible]	100–102
37	कामकाजी महिलाओं के उत्पीड़न के विभिन्न स्वरूप, कारण एवं सुझाव का समाजशास्त्रीय अध्ययन	श्रीमती [illegible] साहू	103–106
38	भारतीय समाज में महिलाओं की स्थिति और डॉ. अम्बेडकर	श्रीमती कंचन ठाकुर	107–108
39	महिला सुरक्षा एवं सामाजिक [illegible]	श्रीमती प्रीति [illegible]	109–110
40	महिला सुरक्षा एवं युवा दृष्टिकोण	[illegible]	111–112
41	नारी सशक्तिकरण में प्रशासन की भूमिका	श्री संतोष कुमार [illegible]	113–115
42	कामकाजी महिलाएं और कानूनी सुरक्षा प्रावधान	श्रीमती के. [illegible] [illegible] कुमार [illegible]	116–117
43	नारी अस्मिता और विज्ञापन	[illegible] कुमार मिश्र	118–119
44	पंचायती राज व्यवस्था में महिलाओं की भागीदारी	डॉ. [illegible]	120–121
45	महिला अधिकार संरक्षण संबंधी डॉ. अम्बेडकर के विचार	डॉ. [illegible] दीपक [illegible]	122–123
46	कामकाजी महिलाओं सुरक्षा संबंधी प्रावधान	डॉ. [illegible]	124–127
47	नारी उत्थान में प्रशासन की भूमिका	डॉ. श्रीमती [illegible]	128–130
48	महिला सुरक्षा एवं सोशल मीडिया की भूमिका	डॉ. [illegible] दुबे [illegible]	131–132
49	महिला अधिकार संरक्षण संबंधी डॉ. अम्बेडकर के विचार	सुश्री शिवानी [illegible]	133–134 135–136
50	महिलाओं के विरुद्ध बढ़ते अपराध एवं कानूनी प्रावधान	[illegible]	137–138
51	[illegible] में महिलाओं की स्थिति एवं उनके विरुद्ध बढ़ते अपराध और कानूनी प्रावधान	[illegible] शिवानी [illegible]	139–141
52	महिला सुरक्षा : [illegible]	डॉ. [illegible]	142–143
53	नारी अस्मिता और विज्ञापन	[illegible] कुमार [illegible]	144–145
54	महिलाओं के विरुद्ध बढ़ते अपराध एवं कानूनी प्रावधान पर महाविद्यालयीन छात्राओं का दृष्टिकोण	[illegible] डॉ. [illegible]	146–149
55	महिला सुरक्षा– एक वैधानिक [illegible]	[illegible] श्रीमती [illegible]	150–151

Digitally signed by DR. POOJA TIWARI
DN: OU=IQAC CO-ORDINATOR, O=" GOVERNMENT COLLEGE, BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. POOJA TIWARI, E=bichhuagovtcollege@gmail.com
Date: 2024.07.31 01:29:15+05'30'

Digitally signed by DR. R. P. YADAV
DN: OU=PRINCIPAL, O="GOVERNMENT COLLEGE BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. R. P. YADAV, E=hegcbicchh@mp.gov.on
Date: 2024.07.31 01:29:36+05'30'

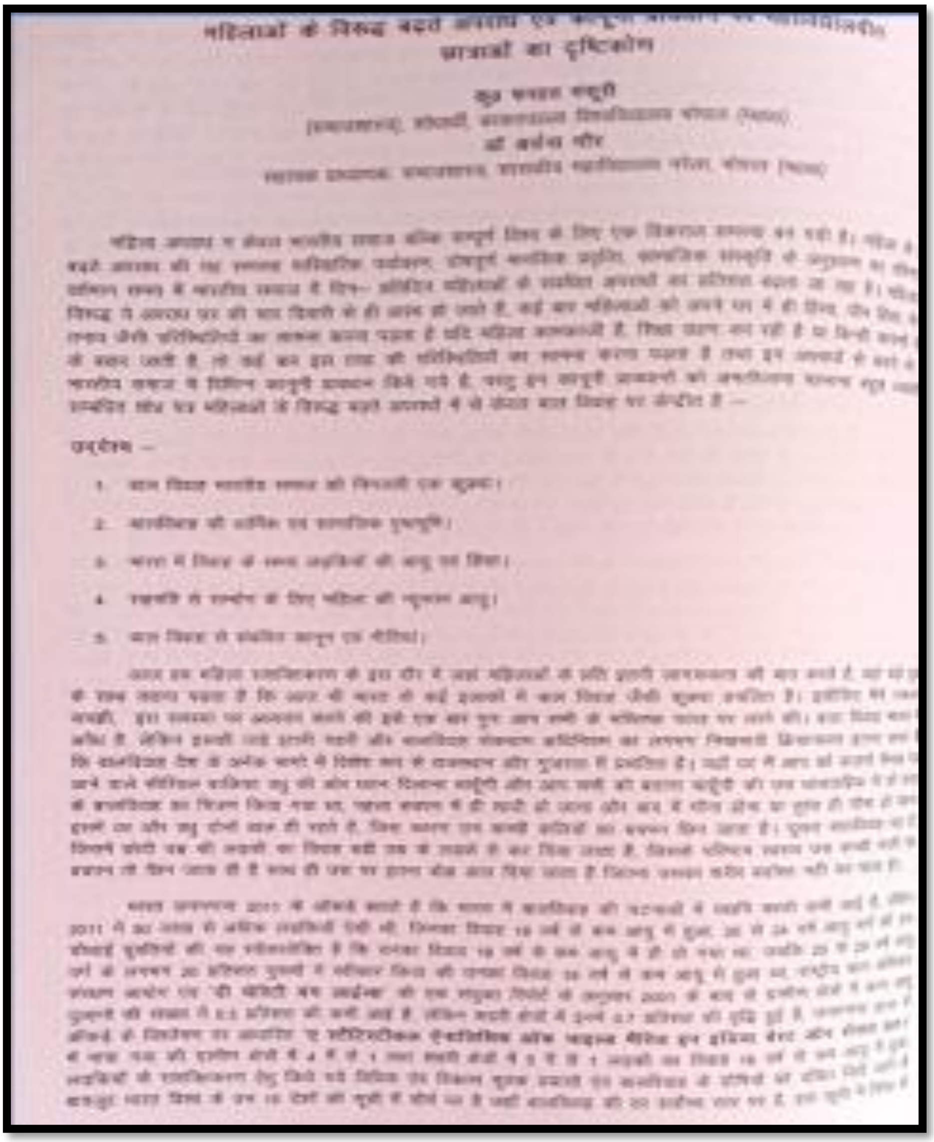

By – Dr. Farhat Mansoori

Digitally signed by DR. POOJA TIWARI
DN: OU=IQAC CO-ORDINATOR, O=" GOVERNMENT COLLEGE, BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. POOJA TIWARI, E=bichhuagovtcollege@gmail.com
Date: 2024.07.31 01:29:15+05'30'

Digitally signed by DR. R. P. YADAV
DN: OU=PRINCIPAL, O="GOVERNMENT COLLEGE BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. R. P. YADAV, E=hegcbicchh@mp.gov.on
Date: 2024.07.31 01:29:36+05'30'

Digitally signed by DR. POOJA TIWARI
DN: OU=IQAC CO-ORDINATOR, O=" GOVERNMENT COLLEGE, BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. POOJA TIWARI, E= bichhuagovtcollege@gmail.com
Date: 2024.07.31 01:29:15+05'30'

Digitally signed by DR. R. P. YADAV
DN: OU=PRINCIPAL, O="GOVERNMENT COLLEGE BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. R. P. YADAV, E= hegcbicchh@mp.gov.on
Date: 2024.07.31 01:29:36+05'30'

62. महिला विकास और सहकारिता — 165-168
* कीर्ती सिंह

63. भारतीय अर्थव्यवस्था में महिलाओं का योगदान — 169-171
* देवेन्द्र विश्वकर्मा

64. महिला सशक्तिकरण हेतु कल्याणकारी योजना — 172-173
* डॉ. उर्मिला सलोगिया ** नेहा मालवीय

65. "स्वतंत्रता के पूर्व एवं स्वतंत्रता के पश्चात् महिलाओं की स्थिति" — 174-175
* करुणा पति त्रिपाठी

66. गोंड तथा कोरकू जनजातियों में प्राथमिक शिक्षा की योजनाओं का विश्लेषणात्मक अध्ययन (बैतूल जिले के पाँच ग्रामों के विशेष संदर्भ में) — 176-180
* डॉ. गीता चौहान

67. स्वतंत्रता के पूर्व एवं स्वतंत्रता के पश्चात् महिलाओं की स्थिति — 181-183
* चन्द्रप्रभा यादव

68. असंगठित क्षेत्र में अनु.जाति एवं जनजाति की कामगार महिलाओं का आर्थिक अध्ययन (रायगढ़ जिले के विशेष सन्दर्भ में) — 184-188
* बनेसिंह वर्मा **डॉ प्रकाश चन्द्र चौका

69. प्राचीन भारत में नारी की स्थिति (पन्ना जिले के विशेष संदर्भ में) — 189-190
* डॉ. हंसा व्यास

70. स्वतंत्रता के पूर्व एवं स्वतंत्रता के बाद भारतीय महिलाओं की विविध रूपों का अध्ययन — 191-193
* प्रभुदयाल यादव

71. इतिहास में नारी विद्रोह के भारतीय मंच — 194-196
* डॉ. श्रद्धा पटेल

72. स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर की छात्राओं में महिलाओं के विरुद्ध अपराध एवं कानून के प्रति जागरूकता एक समाजशास्त्रीय अध्ययन (छिंदवाड़ा जिले के विशेष संदर्भ में) — 197-198
* कु. फरहत मंसूरी ** डॉ. अर्चना गौर

73. पंचायत स्तरीय चुनावी संस्कृति और महिलाएं — 199-201
* मनोज कुमार गुप्ता

74. महिला सशक्तिकरण – समाज और देश को बेहतर बनाने का प्रयास — 202-206
* जलज सेठी **डॉ. दीप्ती सेठी

75. महिलाएं एवं पंचायती राज — 207-208
* डॉ. माया अग्रवाल

76. नारी मुक्ति चेतना (भारतीय एवं पाश्चात्य संदर्भ में) — 209-210
* डॉ. अंजना यादव

Digitally signed by DR. POOJA TIWARI
DN: OU=IQAC CO-ORDINATOR, O="GOVERNMENT COLLEGE, BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. POOJA TIWARI, E=bichhuagovtcollege@gmail.com
Date: 2024.07.31 01:29:15+05'30'

Digitally signed by DR. R. P. YADAV
DN: OU=PRINCIPAL, O="GOVERNMENT COLLEGE BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. R. P. YADAV, E=hegcbicchh@mp.gov.on
Date: 2024.07.31 01:29:36+05'30'

International Journal of Bhopal   Year-6, Volume - IV, Oct. – Dec. 2018   ISSN-2347-5897

स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर की छात्राओं में महिलाओं के विरूद्ध अपराध एवं कानून के प्रति जागरूकता एक समाजशास्त्रीय अध्ययन (छिंदवाड़ा जिले के विशेष संदर्भ में)

कु. फरहत मंसूरी

शोधार्थी (समाजशास्त्र), बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल (म.प्र.)

डॉ. अर्चना गौर

शोध निर्देशक, सहायक प्राध्यापक, शास. महाविद्यालय, नरेला, भोपाल (म.प्र.)

सारांश –

शोध पत्र में स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर की छात्राओं में महिलाओं के विरूद्ध अपराध एवं कानून के प्रति जागरूकता का एक समाजशास्त्रीय अध्ययन प्रस्तुत किया गया है। शोध पत्र में मुख्य रूप से महिलाओं से संबंधित तीन अपराधों एवं कानून पर छात्राओं से चर्चा की गई है – घरेलू हिंसा, भ्रूण हत्या, दहेज प्रथा। स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर की छात्रायें महिलाओं के विरूद्ध अपराध एवं कानूनों के प्रति जागरूक है या नहीं। इस विषय में प्रश्नोत्तर प्रणाली के माध्यम से जानकारी प्राप्त करने का प्रयास किया गया है। भारत जैसे विकासशील देशों में महिला शोषण की प्रकृति का कारण महिलाओं को समाज में दोयम दर्जा प्राप्त होना एवं दूषित मानसिकता है, जिसके कारण महिलायें समाज में सम्मानजनक स्थान प्राप्त करने में असफल रहती है। अतः महिलाओं को शोषण से बचाने एवं उनकी स्थितियों को ऊँचा उठाने के लिए नये कानून बनाने की आवश्यकता नहीं है, बल्कि सोच बदलने की एवं समाज में जागरूकता लाने की आवश्यकता है।

प्रस्तावना –

वर्तमान समय में महिलाओं के विरूद्ध अपराध एक अंतर्राष्ट्रीय चर्चा का विषय बना हुआ है। विश्व में महिला से संबंधित अपराधों का आंकड़ा दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। महिलाओं के विरूद्ध होने वाले अपराधों के लिए पुरूष प्रधान समाज और पुरूष मानसिकता तो जिम्मेदार है ही, साथ ही इसके लिए जिम्मेदार है हमारी सामाजिक परम्परा। पुरूषों ने अपनी सुविधा के लिए नियम आदर्श और धर्म के पाठ, मात्र स्त्रियों तक ही सीमित रखे और स्वयं के लिए उसने पूरी आजादी रख छोड़ी। सामाजिक कुरीतियों ने स्त्रियों को जी भरकर दबाया, उन्हें उत्पीड़ित किया और उनके साथ सभी प्रकार के नैतिक अनैतिक दुर्व्यवहार किए। आज के आधुनिक युग में भी परिस्थितियां नहीं बदली है। शायद ही कोई क्षेत्र ऐसा हो जिनमें महिलाओं की भागीदारी न हो। लेकिन कुछ महिलाये ऐसी भी है जो मानसिक शारीरिक हिंसा, भेदभाव की शिकार है।

शोध पत्र में स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर की छात्राओं में महिलाओं के विरूद्ध अपराध एवं कानून के प्रति जागरूकता का एक समाजशास्त्रीय अध्ययन प्रस्तुत किया गया है। शोध पत्र में मुख्य रूप से तीन अपराधों एवं कानून पर छात्राओं से चर्चा की गयी है – घरेलू हिंसा, भ्रूण हत्या, दहेज प्रथा। इन अपराधों से आप भली भांति परिचित है ही। भारत जैसे विकासशील देशों में महिला शोषण की प्रकृति का कारण महिलाओं को समाज में दोयम दर्जा प्राप्त होना एवं दूषित मानसिकता है, जिसके कारण महिलायें समाज में सम्मानजनक स्थान प्राप्त करने में असफल रहती है। अतः महिलाओं को शोषण से बचाने एवं उनकी स्थितियों को ऊँचा उठाने के लिए नये कानून बनाने की आवश्यकता नहीं है, बल्कि सोच बदलने की एवं समाज में जागरूकता लाने की आवश्यकता है।

उद्देश्य –

1. स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर की छात्राओं से घरेलू हिंसा के बारे में जानकारी प्राप्त करना।
2. स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर की छात्राओं से दहेज प्रथा (हत्या) की जानकारी प्राप्त करना।
3. स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर की छात्राओं से भ्रूण हत्या की जानकारी प्राप्त करना।
4. स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर की छात्राओं से अपराधों से बचने हेतु कानूनों की जानकारी प्राप्त करना।

घरेलू हिंसा अधिनियम मुख्य रूप से पति, पुरूष लिव इन पार्टनर या रिश्तेदारों द्वारा पत्नी, महिला लिव इन पार्टनर या घर में किसी भी महिला से की गई हिंसा से सुरक्षा के लिए बनाया गया है। इसमें पीड़ित या उसकी ओर से

197

By – Dr. Farhat Mansoori

Digitally signed by DR. POOJA TIWARI
DN: OU=IQAC CO-ORDINATOR, O="GOVERNMENT COLLEGE, BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. POOJA TIWARI, E=bichhuagovtcollege@gmail.com
Date: 2024.07.31 01:29:15+05'30'

Digitally signed by DR. R. P. YADAV
DN: OU=PRINCIPAL, O="GOVERNMENT COLLEGE BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. R. P. YADAV, E=hegcbicchh@mp.gov.on
Date: 2024.07.31 01:29:36+05'30'

Office of the Principal, Government College Bichhua
Chhindwara (M.P.) 480111

Mobile: +91 9425425968, Email- hegcbicchh@mp.gov.in
https://www.govtcollegebichhua.org, https://www.highereducation.mp.gov.in/?orgid=109

Established on 21/09/1989, Recognized under 2 (f) & 12 (B) of the UGC Act, 1956
Affiliated to Raja Shankar Shah University, Chhindwara (M.P.) 480001

पर्यावरण संबंधी मुद्दे और सतत् विकास

डॉ. कौशलेन्द्र दीक्षित
असिस्टेंट प्रोफेसर
राजनीति विज्ञान विभाग,
नेशनल पी0 जी0 कॉलेज
भोगाँव, मैनपुरी, उ0प्र0

स्वराँजलि प्रकाशन
swaranjalipublication@gmail.com
8700124880, 9810749840
Vasundhara, Ghaziabad, 201012

Digitally signed by DR. POOJA TIWARI
DN: OU=IQAC CO-ORDINATOR, O=" GOVERNMENT COLLEGE, BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. POOJA TIWARI, E=bichhuagovtcollege@gmail.com
Date: 2024.07.31 01:29:15+05'30'

Digitally signed by DR. R. P. YADAV
DN: OU=PRINCIPAL, O="GOVERNMENT COLLEGE BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. R. P. YADAV, E=hegcbicchh@mp.gov.on
Date: 2024.07.31 01:29:36+05'30'

पर्यावरण संबंधी मुद्दे और सतत् विकास

सारणी

क्र. सं	अध्याय	लेखक	पृष्ठ सं
1	समावेशी व सतत् विकास का भारतीय परिप्रेक्ष्य	डॉ0 अरविन्द कुमार शुक्ल	01-08
2	पर्यावरण प्रदूषण की समस्या और समाधान	डॉ. मीनाक्षी शर्मा और डॉ. कौशलेन्द्र दीक्षित	09-18
3	औद्योगिक विकास और पर्यावरण – प्रदूशित पर्यावरण का मानव जीवन पर प्रभाव (भारत के संदर्भ में)	डॉ0 अंशु पाण्डेय	19-24
4	पर्यावरण संरक्षण में सूर्य और चन्द्रमा की भूमिका (वैदकीय एवं वर्तमान साहित्य के परिप्रेक्ष्य में)	डॉ. फतेह सिंह	25-31
5	पर्यावरण अवनयन और सुधार के उपाय	रवीन्द्र नाथ सागर	32-38
6	पर्यावरणीय नैतिकता, संरक्षण क्षेत्र और उपाय	ओंकार नाथ सागर	39-44
7	प्राचीन साहित्य में पंच तत्व और पर्यावरण संरक्षण	दर्शना कुमारी	45-51
8	ग्लोबल वार्मिंग: पारिस्थितिकीय स्थिति पर प्रभाव	दीपशिखा दुबे	52-60
9	वरुणा की व्यथा	डॉ. अखिलेश्वर कुमार द्विवेदी	61-66
10	सतत् विकास एवम् पर्यावरण संरक्षण	डॉ. मधु गुप्ता	67-69

Digitally signed by DR. POOJA TIWARI
DN: OU=IQAC CO-ORDINATOR, O=" GOVERNMENT COLLEGE, BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. POOJA TIWARI, E=bichhuagovtcollege@gmail.com
Date: 2024.07.31 01:29:15+05'30'

Digitally signed by DR. R. P. YADAV
DN: OU=PRINCIPAL, O="GOVERNMENT COLLEGE BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. R. P. YADAV, E=hegcbicchh@mp.gov.on
Date: 2024.07.31 01:29:36+05'30'

Mobile: +91 9425425968, Email- hegcbicchh@mp.gov.in
https://www.govtcollegebichhua.org, https://www.highereducation.mp.gov.in/?orgid=109

27	साहित्यकारों का प्रकृति और पर्यावरण प्रेम	डॉ. शक्ति प्रसाद द्विवेदी	160-162
28	सतत् विकास के राजनीतिक आयाम–वर्तमान परिप्रेक्ष्य में	डॉ. कपिल खरे	163-172
29	भारत को वैश्विक नजरिए से करना होगा पर्यावरण संरक्षण	कु. दिव्यलता शर्मा	173-179
30	पर्यावरण प्रदूषण : संवर्द्धन	शिखा	180-184
31	पर्यावरणीय मुद्दे एवं सतत् विकास	डॉ. रजनी धाकरे	185-189
32	पर्यावरण: संकट और चुनौतियाँ	रेखा	190-196
33	वायु प्रदूषण: कारण एवं निदान	डॉ. मुहम्मद इकबाल सिद्दीकी	197-200
34	स्मार्ट सिटी मिशन और उससे जुड़ी चुनौतियाँ (एक विश्लेषण)	डॉ. पंकज शर्मा	201-205
35	पर्यावरण चुनौतियाँ एवं मानव सुरक्षा	कु. बीना यादव	206-210
36	जलवायु परिवर्तन के प्रति जागरुकता में समाज कार्य का हस्तक्षेप	देवी प्रसाद	211-220
37	जल है तो कल है	मोनी कुमारी	221-225
38	पर्यावरणीय मुद्दे और सतत् विकास	कु. पूनम यादव	226-231
39	वैश्विक–तपनरू एक प्रमुख समस्या	प्रीति सिंह	232-238
40	मानव सुरक्षा एवं पर्यावरणीय चुनौतियाँ	डॉ. प्रविता त्रिपाठी	239-240
41	पर्यावरण संरक्षण की राजनीति का सतत् विकास	डॉ. गंगाधर	241-242
42	समाकलित विकास हेतु पर्यावरण उन्नयन	राजेश कुमार	243-245
43	पर्यावरण की समस्या, संरक्षण एवं जन चेतना	उमेश चन्द्र	246-252

Digitally signed by DR. POOJA TIWARI
DN: OU=IQAC CO-ORDINATOR, O="GOVERNMENT COLLEGE, BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. POOJA TIWARI, E=bichhuagovtcollege@gmail.com
Date: 2024.07.31 01:29:15+05'30'

Digitally signed by DR. R. P. YADAV
DN: OU=PRINCIPAL, O="GOVERNMENT COLLEGE BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. R. P. YADAV, E=hegcbicchh@mp.gov.on
Date: 2024.07.31 01:29:36+05'30'

सतत् विकास के राजनीतिक आयाम – वर्तमान परिपेक्ष्य में

डॉ० कपिल खरे
अतिथि विद्वान, राजनीति विज्ञान, शासकीय महाविद्यालय, बिछुआ (म०प्र०)

सन्दर्भ

सतत् विकास से हमारा अभिप्राय ऐसे विकास से है, जो हमारी भावी पीढ़ियों की अपनी जरूरतें पूरी करने की योग्यता को प्रभावित किए बिना वर्तमान समय की आवश्यकताएं पूरी करे। भारतीयों के लिए पर्यावरण संरक्षण, जो सतत् विकास का अभिन्न अंग है, कोई नई अवधारणा नहीं है। भारत में प्रकृति और वन्यजीवों का संरक्षण अगाध आस्था की बात है, जो हमारे दैनिक जीवन में प्रतिबिंबित होता है और पौराणिक गाथाओं, लोककथाओं, धर्मों, कलाओं और संस्कृति में वर्णित है। सतत् विकास सामाजिक–आर्थिक विकास की वह प्रक्रिया है जिसमें पृथ्वी की सहनशक्ति के अनुसार विकास की बात की जाती है। यह अवधारणा सन 1960 के दशक में विकसित हुई जब लोग औद्योगीकरण के पर्यावरण पर हानिकारक प्रभावों से अवगत हुए। सतत् विकास का उद्भव प्राकृतिक संसाधनों की समाप्ति तथा उसके कारण आर्थिक क्रियाओं तथा उत्पादन प्रणालियों के धीमे होने या उनके बंद होने के भय से हुआ।

यह अवधारणा उत्पादन –प्रणालियों पर नियंत्रण करने वाले कुछ लोगों द्वारा प्रकृति के बहुमूल्य तथा सीमित संसाधनों के लालचपूर्ण दुरुपयोग का परिणाम है। सतत विकास कोयला, तेल तथा जल जैसे संसाधनों के दोहन के लिए उत्पादन तकनीकों, औद्योगिक प्रक्रियाओं तथा विकास की नीतियों के संबंध में दीर्घकालीन योजना प्रस्तुत करता है।

सतत् विकास की अवधारणा की शुरूआत सन 1962 में हुई जब वैज्ञानिक रॉकल कारसन ने 'दी साइलेंट स्प्रिंग' नामक पुस्तक लिखी। इस पुस्तक ने कीटनाशक डी.डी.टी. के प्रयोग से होने वाले नुकसान की ओर जनता का ध्यान आकर्षित किया1। यह पुस्तक पर्यावरण, अर्थव्यवस्था तथा सामाजिक पक्षों के मध्य परस्पर संबंधों के अध्ययन में मील का पत्थर साबित हुई। सन 1968 में जीव विज्ञान शास्त्री पॉल

163

By - Dr. Kapil Khare

Digitally signed by DR. POOJA TIWARI
DN: OU=IQAC CO-ORDINATOR, O=" GOVERNMENT COLLEGE, BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. POOJA TIWARI, E= bichhuagovtcollege@gmail.com
Date: 2024.07.31 01:29:15+05'30'

Digitally signed by DR. R. P. YADAV
DN: OU=PRINCIPAL, O="GOVERNMENT COLLEGE BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. R. P. YADAV, E= hegcbicchh@mp.gov.on
Date: 2024.07.31 01:29:36+05'30'

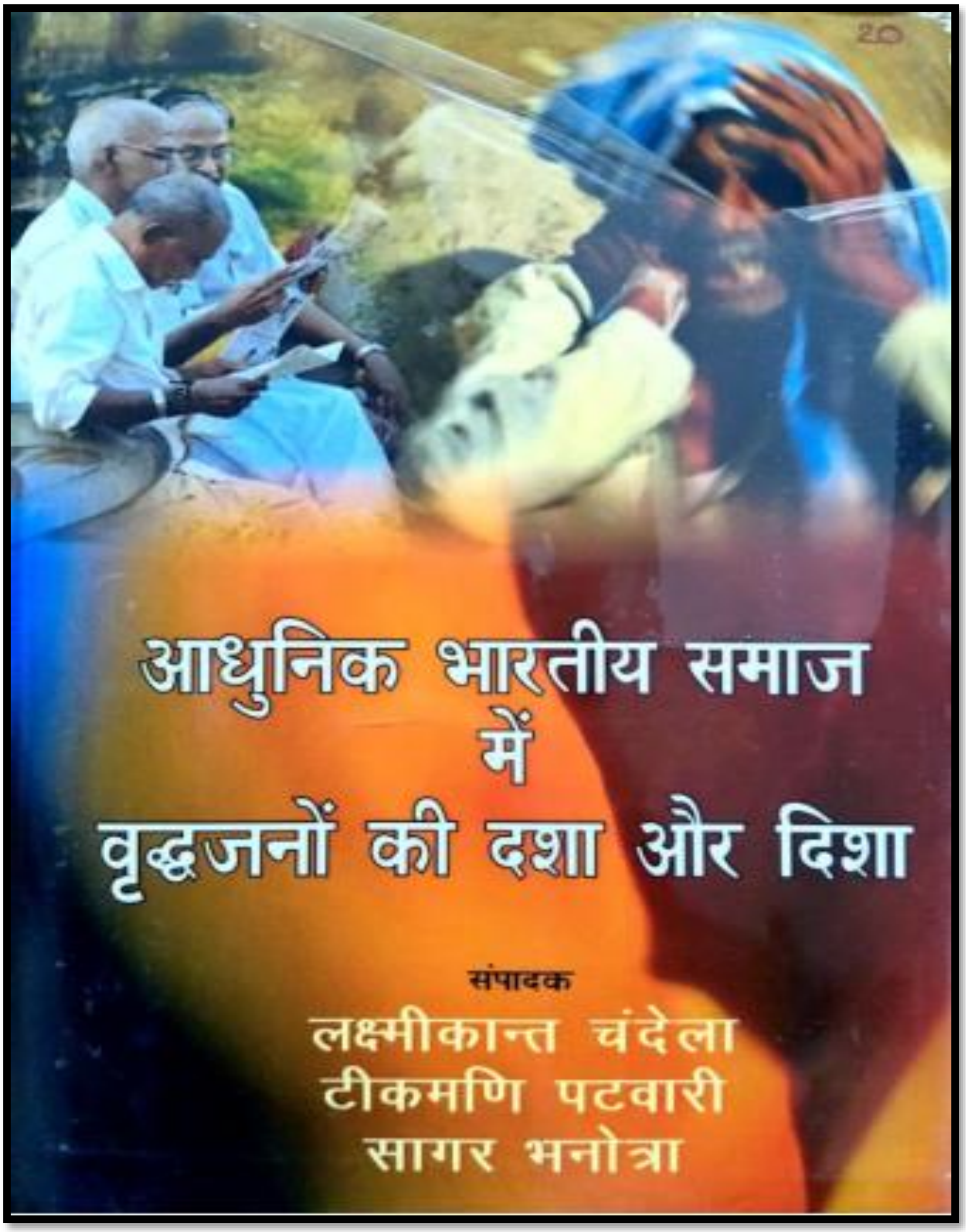

Digitally signed by DR. POOJA TIWARI
DN: OU=IQAC CO-ORDINATOR, O=" GOVERNMENT COLLEGE, BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. POOJA TIWARI, E=bichhuagovtcollege@gmail.com
Date: 2024.07.31 01:29:15+05'30'

Digitally signed by DR. R. P. YADAV
DN: OU=PRINCIPAL, O="GOVERNMENT COLLEGE BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. R. P. YADAV, E=hegcbicchh@mp.gov.on
Date: 2024.07.31 01:29:36+05'30'

जे.टी.एस. पब्लिकेशन्स, दिल्ली

वैधानिक चेतावनी

पुस्तक के किसी भी अंश के प्रकाशन- फोटोकॉपी, इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों में उपयोग के लिए लेखक/ संपादक/ प्रकाशक की लिखित अनुमति आवश्यक है। पुस्तक में प्रकाशित शोध-पत्रों में निहित विचार तथा संदर्भों का संपूर्ण दायित्व स्वयं लेखकों का है। संपादक/ प्रकाशक इसके लिए उत्तरदायी नहीं है।

आधुनिक भारतीय समाज में वृद्धजनों की दशा और दिशा

संपादक
लक्ष्मीकान्त चंदेला
टीकमणि पटवारी
सागर मनोत्रा

© सर्वाधिकार सुरक्षित

प्रथम संस्करण : २०१९
ISBN 978-93-88522-41-0
प्रकाशक
जे०टी०एस० पब्लिकेशन्स
वी-५०८, गली नं०१७, विजय पार्क, दिल्ली-११००५३
दूरभाष : ०८५२७ ४६०२६२, ०११-२२६११२२३
E-Mail : jtspublications@gmail.com
मूल्य : ५००.०० रुपये

आवरण : प्रतिष्ठा शर्मा, दिल्ली
मुद्रक : तरुण ऑफसेट प्रिंटर्स, दिल्ली

Digitally signed by DR. POOJA TIWARI
DN: OU=IQAC CO-ORDINATOR, O="GOVERNMENT COLLEGE, BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. POOJA TIWARI, E=bichhuagovtcollege@gmail.com
Date: 2024.07.31 01:29:15+05'30'

Digitally signed by DR. R. P. YADAV
DN: OU=PRINCIPAL, O="GOVERNMENT COLLEGE BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. R. P. YADAV, E=hegcbicchh@mp.gov.on
Date: 2024.07.31 01:29:36+05'30'

30

एक आयु के गौरव का अन्त

डॉ. मनीषा आमटे
अतिथि विद्वान समाजशास्त्र
श्री श्री लक्ष्मीनारायण शास. पैंचव्हेली
स्नातकोत्तर महाविद्यालय परासिया
जिला छिंदवाड़ा (म.प्र.)

समस्यारहित जीवन अकल्पनीय है, इसी कारण कहा गया है के संघर्ष ही जीवन है। बचपन की अपनी समस्याएं होती है, किन्तु उनको सुलझाने वाले हाथों का साया अक्सर हर माथे पर होता ही है। यौवनकाल में बाहों में बल होता है और होता है समस्याओं से दो–दो हाथ कर लेने का साहस और उल्लास, वृद्धावस्था की समस्याएं सबसे भयावह होती है जो उस समय आघात करती है जब अक्सर आदमी असहायता और बेचारगी की गिरफ्त में पहुंच चुका होता है।

आज हमारे वृद्धजन एक विकट सामाजिक समस्या के रूप में चिंतनीय हो गए है, इससे बड़ी बिडम्बना क्या हो सकती है कि जिस देश की संस्कृति में 'पितृ देवो भव' और माता को स्वर्ग से अधिक गरिमा प्राप्त थी, जननी और जनक के प्रति संतान के कुछ अनिवार्य कर्तव्य थे जिन्हें पितृऋण एवं मातृऋण माना जाता था और इन ऋणों को चुकाए बगैर मनुष्य का निस्तार नहीं था, वही माता–पिता आज अपने ही बच्चों के लिए उलझन बनकर रह गये है। भारत के सांस्कृतिक इतिहास में समय का यह अवांछनीय पैबंद घोर लज्जाजनक किन्तु यह है कटु सत्य जिसकी अवहेलना नहीं की जा सकती।[1]

वृद्धावस्था मानव जीवन का उत्तरार्द्ध है। इसमें घोर कठिनाईयां एवं बेबसी भुगतने का भय सदा से रहा है। हमारे मनीषियों इस स्थिति को समझा और माता–पिता को देवत्व प्रदान किया। साथ ही ऐसे अनेक नियमों की स्थापना की जिनका उल्लंघन निषिद्ध था। ये ही वे नियम थे जिनके चलते कुछ समय पूर्व तक घर के वृद्धों

By – Dr. Manisha Amte

Digitally signed by DR. POOJA TIWARI
DN: OU=IQAC CO-ORDINATOR, O=" GOVERNMENT COLLEGE, BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. POOJA TIWARI, E=bichhuagovtcollege@gmail.com
Date: 2024.07.31 01:29:15+05'30'

Digitally signed by DR. R. P. YADAV
DN: OU=PRINCIPAL, O="GOVERNMENT COLLEGE BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. R. P. YADAV, E=hegcbicchh@mp.gov.on
Date: 2024.07.31 01:29:36+05'30'